(जिला स्तरीय मौसम पूर्वानुमान भारत मौसम विभाग, नई दिल्ली के आधार पर तैयार की गई)

चौ स कु हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय]-176 062, हिमाचल प्रदेश

[सस्य विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

जिला **हमीरपुर** **दिनांक: 24-01-23**

www.hillagric.ac.in/info/kisano_ke_liye_soochna, email: ranars66@rediffmail.comPh.No. : +91-1894 232245 Fax: 91-1894 230406

आगामी पांच दिनों का मौसम पूर्वानुमान:

मौसमी तत्व/दिनांक	**25-01-23**	**26-01-23**	**27-01-23**	**28-01-23**	**29-01-23**
वर्षा (मि.मी.)	15	10	0	0	3
अधिकतम तापमान {°सेल्सियस}	18	18	19	19	17
न्यूनतम तापमान {° सेल्सियस}	7	6	7	7	5
सापेक्षिक आर्द्रता(प्रतिशत) अधिकतम	87	69	45	35	39
सापेक्षिक आर्द्रता(प्रतिशत) न्यूनतम	35	43	26	19	20
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	7.8	6.7	7.7	8.4	6.4
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	71	70	90	68	112
हवा की दिशा (डिग्री)	7	3	0	7	7
विशेष मौसम चेतावनी					

आगामी पांच दिनों के लिए उक्त जलवायु के हिसाब से निमं कृषीय सलाह दी जाती है:

अगले पांच दिनों में बारिश की संभावना **है। अधिकतम तापमान 17-19 °C और न्यूनतम तापमान 5-7 °C के बीच रहने के संभावना है। हवाओं 7-8 किलोमीटर प्रति घंटे के हिसाब से चलेंगी. सापेक्षित आद्रता लगभग 19-87 बीच रहैंगी।** मध्यम **बादलों** की संभावना है।

मौसम पूर्वानुमान आधारित कृषि कार्य

किसान भाई अधिक जानकारी व अनुमोदित कृषि कार्यों के लिए प्रसार शिक्षा निदेशालय **द्वारा प्रकाशित पखवाड़ा को अवश्य देखें. साथ में उस क्षेत्र के कृषि अधिकारी व कृषि विज्ञानं केंद्र के साइंटिस्ट से संपर्क करें**

मुख्य फसलें	अवस्था	कीट/ विमारियां व अन्य	कृषिय सलाह
गेहूं			बारानी गेहूं में रासायनिक खरपतवार नियंत्रण के लिए क्लोडिनाफॉप @ 24 ग्राम (10WP) प्रति कनाल बुवाई के 35-40 दिनों के बाद यदि घासदार खरपतवार की उपस्थिति हो। घास और चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों के व्यापक स्पेक्ट्रम के लिए क्लोडीनोफ़ॉप + मेट्सल्फ़्यूरॉन (16 ग्राम/कनाल) तैयार मिश्रण का छिड़काव करें। इन स्थितियों में एफिड्स के हमले की संभावना है। पीले चिपचिपे ट्रैप

			लगाकर स्थिति पर नजर रखने की जरूरत है। किसानों को पीले रतुआ के हमले से सतर्क रहने की सलाह दी जाती है। पीला रतुआ के प्रबंधन के लिए टिल्ट @ 1 मिली/लीटर पानी का छिड़काव करें और 15 दिनों के बाद दोहराएं. किसानों को सलाह दी जाती है कि वे मिट्टी की इष्टतम नमी की स्थिति में उर्वरकों की अनुशंसित खुराक की आधी मात्रा का प्रयोग करें.
चारा फसलें			पहले से बोई गई बरसीम और जई में इंटरकल्चरल ऑपरेशन की सलाह दी जाती है।
सरसों			वर्तमान मौसम की स्थिति को ध्यान में रखते हुए, किसानों को सलाह दी जाती है कि वे एफिड्स और सफेद रतुआ के हमले से सरसों की फसल की निगरानी करें। मेलाथियान 50 ईसी @ 1 मिली/लीटर का 5 दिन के अंतराल पर छिड़काव करें।
सब्जी	सब्जियों में खरपतवार निकालने के लिए इंटरकल्चरल ऑपरेशन की सलाह दी जाती है। वर्तमान मौसम में दीमक फसलों और सब्जियों को नुकसान पहुंचा सकती है। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे क्लोरपायरीफॉस 20 ईसी @ 4 मिली/लीटर पानी का छिड़काव करें। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे कीटों की संख्या पर नियंत्रण रखने के लिए प्रकाश प्रपंच का प्रयोग करें। इससे उपयोगी कीड़ों को कम नुकसान होता है। मिट्टी की नमी के संरक्षण और मिट्टी के तापमान को बनाए रखने के लिए सब्जियों की फसलों की दो पंक्तियों के बीच जगह में मल्च डालें।		
पाली होउस खेती			दिन के समय ५० प्रतिशत छायादारजालों का प्रयोग करें ताकि तापमान नियंत्रण हो सके हव की निकासी सुनिश्चित करें. वर्षा के समय साईड की बेंट को बंद रखें और बाद में खोल दें। फसलों की बुवाई से एक सप्ताह पहले पॉलीहाउस में पीले चिपचिपे जाल को रखें। छिड़काव के कम से कम सात दिनों तक सब्जी की कटाई न करें।
फूलगोभी और अन्य सब्जियां			सब्जियों में कोमल फफूंदी नियंत्रण के लिए **15** दिनों के अंतराल पर रेडोमिल एम-जेड **@ 2.5** ग्राम प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें। राज्य के निचले पहाड़ी क्षेत्रों में मध्य मौसम में गोभी की रोपाई करें। इसके अलावा, गोभी की फसलों में सिफारिश के अनुसार निराई, मिट्टी चढ़ाना और नाइट्रोजन का प्रयोग किया जा सकता है।
मशरूम			ढींगरी मशरूम उगाने की व्यवस्था करें।
आलू			आलू की उन्नत किस्में जैसे कुफरी ज्योति, कुफरी गिरिराज और कुफरी चंद्रमुखी राज्य की निचली और मध्य पहाड़ियों में बोई जा सकती हैं। बुआई के लिए **2-3** सक्रिय आंखों वाले स्वस्थ एवं रोगमुक्त कन्दों का प्रयोग करना चाहिए। जिन स्थानों पर कुल पौधों का 5% उद्भव होता है, वहां ग्रामोक्सोन 100 मिली/कनाल का पौधों पर छिड़काव करें।
पशुपालन मवेशी		डीवार्मिंग	तापमान गिर रहा है और शीतलहर ने क्षेत्र को जकड़ लिया

भेड़ बकरी इत्यादी			है, इसलिए नवजात बछड़ों और पशुओं को ठंड से बचाएं। नवजात बछड़ों को भीषण सर्दी में विशेष देखभाल की जरूरत होती है क्योंकि वे निमोनिया के प्रति संवेदनशील होते हैं। इसलिए उन्हें शुष्क बिस्तर और ठंडी हवाओं से सुरक्षा प्रदान करके उन्हें गर्म रखें। उन्हें तीन दिन तक रोजाना दूध में विटामिन ए कंसन्ट्रेट 1 मिली दें, एक महीने के बाद दोहराएं। यदि पशु के थन पर मस्से हों तो दूध निकालने से पहले और बाद में पोटैशियम परमैग्नेट के घोल से कुल्ला करें। एंटी वायरल इंजेक्शन की सलाह दी जाती है या जंगली हल्दी का पेस्ट लगाया जाता है। नवजात बछड़ों में गुलाबी नेत्र रोग के हमले के लिए मौसम उपयुक्त है, नियंत्रण के लिए उबले हुए पानी में 1% बोरिक एसिड का घोल तैयार करें और तीन घंटे के अंतराल पर आंखों को धोएं। घास और हरे चारे का मिश्रण दें। सलाह दी कि इन दिनों पशुओं को लैंटाना न खाने दें। अनाज के दानों में 5-10 प्रतिशत अधिक मिला कर सांद्र मिश्रण की ऊर्जा सामग्री बढ़ाएँ। 10:1 के अनुपात में अच्छी तरह से भूसी हुई फलियों को गेहूं-पुआल के साथ मिलाकर खिलाएं।
मुर्गीपालन		आहार	डायरिया और कॉक्सेडिया के हमले के लिए जलवायु अनुकूल है, इसलिए नजदीकी पशु चिकित्सक से परामर्श करें। नई परतों के लिए चूजे आईबीडी और रानीखेत रोग के लिए टीकाकरण की अनुशंसित अनुसूची का पालन करते हैं क्योंकि मौसम इन बीमारियों के प्रसार के लिए अनुकूल है। पोल्ट्री घरों में उचित वेंटिलेशन सुनिश्चित करें. पोल्ट्री हाउस को ताजा कूड़े से बदलें और घरों को साफ रखें और पक्षियों को पीने का पानी सुनिश्चित करें. सामान्य खिला अनुसूची जारी रखी जानी चाहिए। अधिकतम लाभ के लिए ब्रायलर चूजों को पालने के लिए प्रतिष्ठित हैचरी से केवल दिन के लिए टीकाकरण वाले चूजों की खरीद करें। पानी के साथ विटामिन ए और विटामिन बी-कॉम्प्लेक्स दें।
मधु मक्खी पालन	सक्रिय	पोषण	तापमान गिर गया है और अभी और गिरने की उम्मीद है, इसलिए कॉलोनियों को तुरंत विंटर पैकिंग दें। नेक्टर के लिए कॉलोनियों की जाँच करें और मधुमक्खियों को कृत्रिम भोजन दें क्योंकि इन दिनों फूलों की कमी होती है। और साफ दिन पर कॉलोनियों को धूप में रखें।
मछली पालन			मछली की मार्केटिंग जारी रखें। शेष स्टॉक को प्रति 1000 मछली प्रति दिन 500 ग्राम फ़ीड के रखरखाव स्तर तक कम करें। देर रात/सुबह के दौरान पानी की गर्म गहरी परतें प्रदान करने के लिए तालाब का जल स्तर 4-4.5 मीटर बनाए रखें। प्रतिकूल सर्दियों के महीनों के दौरान रोग की घटनाओं को रोकने के लिए 125 किग्रा/हेक्टेयर की दर से बिना बुझाया हुआ चूना डालें।

पुष्प	फूल		गुलाब की कलमों का रोपण किया जा सकता है। फसल को फफूंद जनित रोगों के हमले से बचाने के लिए कटे हुए हिस्से में बाविस्टिन पेस्ट लगाएं। पोली हाउस में थ्रिप्स और कीट का प्रकोप होने की सम्भावना है, इसके नियंत्रण के लिए थ्रिप्स के लिए रोगर 20 मिली 10 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें और बीटल के लिए डाइक्लोफोल 20 मिली 10 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें। टैगेट में थ्रिप्स के नियंत्रण के लिए रोजर 20 मिली को 10 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा,
सस्य विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय
चो० स. कु. हिमाचल प्रदेश कृषि विस्वविद्यालय, पालमपुर -176062
हिमाचल प्रदेश